राजस्थान पर्यटन : समस्याएं और सरकार की नीतियां

Dr. Dinesh Kumar
Department of Geography
Faculty of Arts, Crafts & Social Sciences,
Tantia University, Sri Ganganagar (Rajasthan)
dinesh7jakhar@gmail.com

सारांश :

राजस्थान को पर्यटन के क्षेत्र में न केवल देश में अपितु विश्व पर्यटन मानचित्र पर प्रमुखता से जाना जाता है। राजस्थान को सदियों से अपनी गौरवगाथा, कला एवं संस्कृति, तीर्थस्थल, प्राकृतिक सौन्दर्य, पशु-पक्षी अभ्यारण्य एवं ऐतिहासिक स्थलों के कारण देश-विदेश में सराहा जाता है। यही कारण है कि राजस्थान आये बिना पर्यटकों की भारत पर्यटन यात्रा अधूरी रहती है।

प्राकृतिक सुंदरता और एक महान इतिहास के साथ संपन्न, पर्यटन एक महत्वपूर्ण इंजन के रूप में राज्यों के एजेंडे में एक प्रमुख स्थान रखता है, कम से कम संभव निवेश के साथ आय और रोजगार सृजन के लिए, यह उद्योग अधिक कमाई की दक्षता सुनता है। अत्यधिक श्रम प्रधान उद्योग होने के कारण यह कुशल, अर्ध-कुशल और अकुशल जैसे लोगों को रोजगार देता है। पर्यटन क्षेत्र के महत्व के बावजूद, यह राज्य में बड़ी समस्याओं का सामना करता है। यह लोग राजस्थान में पर्यटन क्षेत्र की आवश्यकता का लक्ष्य रखते हैं। इस क्षेत्र के सामने आने वाली समस्याएं और सरकार की नीतियां जो राजस्थान में पर्यटन को बढ़ावा दे सकती हैं। इस पत्र के लिए प्रासंगिक पुस्तकों, पत्रिकाओं, समाचार पत्रों, राजस्थान वार्षिक रिपोर्ट, भारत वार्षिक रिपोर्ट और राजस्थान पर्यटन रिपोर्ट का व्यापक रूप से परामर्श किया गया है।

प्रमुख बिन्दू:- *राजस्थान पर्यटन, पर्यटन की आवश्यकता, समस्याएं, सरकारी पर्यटन।*

परिचय :

राजस्थान राज्य भारत के उत्तरी पश्चिम भाग में स्थित है। कर्क रेखा इसके दक्षिणी भाग में बांसवाडा के मध्य और डुंगरपुर जिले को स्पर्श करती हुई गुजर रही है। इसका विस्तार 23°03' उत्तरी अक्षांश से 30°12' व 69°30' पूर्वी देशांतर से 78°17' पूर्वी देशांतर के मध्य स्थित है।

राजस्थान भारत के उत्तर-पश्चिम भाग में स्थित एक राजसी, प्राकृतिक सुंदरता का देश है। समृद्ध सांस्कृतिक विरासत और मेहमाननवाज लोग राजस्थान की यात्रा को विदेशी और घरेलू पर्यटकों दोनों के लिए एक सुखद अनुभव बनाते हैं। राजस्थान या राजघरानों की भूमि दुनिया के सबसे प्रसिद्ध पर्यटन स्थलों में से एक है, जो अपने स्थापत्य कला, किलों, महलों के शाही व्यंजनों, पोशाक और संगीत के लिए जाना जाता है, राजस्थान में और भी बहुत कुछ है। राजस्थान शायद भारत के सबसे रंगीन राज्यों में से एक है और अंतहीन विविधता की भूमि है। चाहे वह जयपुर में "गुलाबी" या जोधपुर में "नीला" या जैसलमेर की

सुनहरी आंखों के बारे में हो, इंद्रधनुष के रंगों में बंजर परिदृश्य। राज्य में देश के कुछ सबसे खूबसूरत महल और किले हैं जो यहाँ कि सरकार और पूर्व शाही परिवारों द्वारा अच्छी तरह से संजोकर रखा जाता है। कुछ दिलचस्प कहानियों के साथ पेशेवर गाइड द्वारा अनुभव को और बढ़ाया जाता है। राजस्थान में पर्यटन सीजन अक्टूबर में शुरू होता है और अप्रैल तक जारी रहता है। इस दौरान लाखों पर्यटक जयपुर, जैसलमेर, जोधपुर, बीकानेर, उदयपुर और राज्य के अन्य जिलों में आते है।

पर्यटन को अर्थशास्त्र बोनान्ज़ा माना जाता है। यह बहु खंड उद्योग है, पर्यटन के सकारात्मक आर्थिक प्रभावों का आकलन करते हुए, हम राष्ट्रीय आय के सृजन, रोजगार के अवसरों की कीमत, विदेशी मुद्रा की कर राजस्व आय बढ़ाने, क्षेत्रीय अर्थव्यवस्था के परिवर्तन में इसके योगदान का अध्ययन करते हैं।

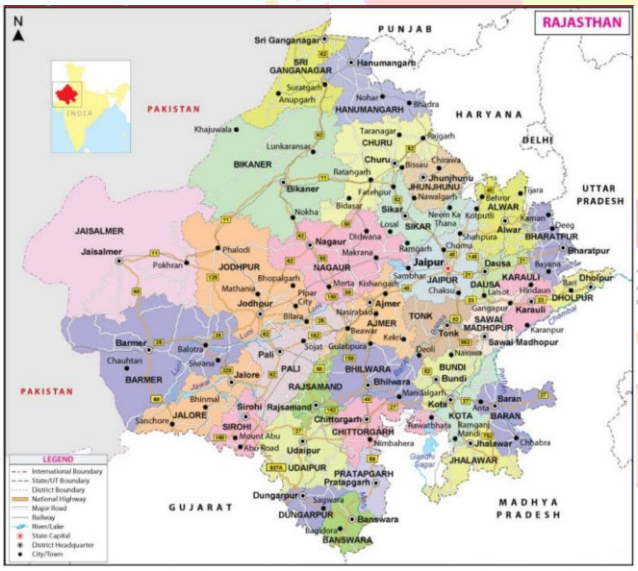

पर्यटन उद्योग की आवश्यकता :

- देश के कम विकसित अक्सर बाहरी क्षेत्रों में रोजगार और आय पैदा करने में पर्यटन अन्य उद्योगों की तुलना में अधिक प्रभावी प्रतीत होता है।
- विकास कार्यक्रमों के वैश्वीकरण ने राज्य की विदेशी मुद्रा की आवश्यकताओं को बढ़ा दिया है।
- कम से कम संभव निवेश के साथ यह उद्योग अधिक कमाई की दक्षता वहन करता है।
- अंतरराष्ट्रीय और घरेलू दोनों तरह के पर्यटन के बारे में विविध, सामाजिक और सांस्कृतिक पृष्ठभूमि के लोगों का आपस में मिलना और खर्च करने की शक्ति का काफी स्थानिक पुनर्वितरण भी है जिसका गंतव्य क्षेत्र की अर्थव्यवस्था पर महत्वपूर्ण प्रभाव पड़ता है।
- विकासशील देशों के पास पर्यटन उद्योग के पक्ष में बिंदु हैं जो गुणक प्रभाव दिखाता है और जनशक्ति योजनाकार, पर्यावरणविद् सामाजिक वैज्ञानिक और अर्थशास्त्री के कार्य को सरल करता है।
- होटल और रेस्तरां, परिवहन सेवाओं, पर्यटन रिसॉर्ट्स, मनोरंजन पार्कों, मनोरंजन केंद्रों, हस्तशिल्प आभूषणों की बिक्री के आउटलेट आदि के माध्यम से पर्यटन उद्योग से आय प्राप्त होती है।

राजस्थान की अर्थव्यवस्था में पर्यटन का योगदान :

- पर्यटन का लगभग 15 प्रतिशत हिस्सा है जो राजस्थान की अर्थव्यवस्था और विदेशी मुद्रा कैमिंग जैसे आर्थिक लाभ प्रदान करती है। क्षेत्रीय विकास, बुनियादी ढांचे का विकास और स्थानीय हस्तशिल्प को बढ़ावा देना।
- राजस्थान में पर्यटन का सकल राज्य घरेलू उत्पाद में 2.7 प्रतिशत (अप्रत्यक्ष कर जोड़ने के बाद 5.2 प्रतिशत) और 1.9 प्रतिशत

(अप्रत्यक्ष कर जोड़ने के बाद 7.2 प्रतिशत) है।

- रोजगार के अवसरों का विस्तार पर्यटन उद्योग का एक उत्कृष्ट योगदान है। एक अत्यधिक श्रम गहन उद्योग होने के नाते जिसमें हमने अपने विभिन्न प्रकार के बेरोजगार लोगों जैसे कुशल, अर्ध-कुशल और अकुशल व्यक्तियों को शामिल किया। इस क्षेत्र में श्रम पूंजी अनुपात सबसे अधिक है। राजस्थान में पर्यटन कृषि और कपड़ा क्षेत्र के बाद तीसरा सबसे बड़ा नियोक्ता है।
- पर्यटन की महत्वपूर्ण विशेषता यह है कि यह कुशल और शिक्षित महिलाओं को अधिकतम रोजगार देता है, यह उद्योग अन्य उद्योगों की तुलना में अधिक लिंग तटस्थ है और इसके अंतरराष्ट्रीय पर्यटन कार्यबल का 65 प्रतिशत महिलाएं हैं। ये महिलाएं होटल, एयरलाइन सेवाओं, ट्रैवल एजेंसियों, हस्तशिल्प और सांस्कृतिक गतिविधियों में सक्रिय रूप से शामिल हैं। पर्यटन के मामले में यदि प्रत्यक्ष रोजगार एक है, तो अप्रत्यक्ष रोजगार काफी अधिक है और इसका अनुमान 2.358 है। पर्यटन क्षेत्र में पर्यटन से जुड़े होने के कारण अर्थव्यवस्था के अन्य क्षेत्रों में 1.358/व्यक्ति रोजगार उत्पन्न हुआ है। राजस्व सृजन, निवेश के अवसरों में वृद्धि और परंपराओं और विरासत संरक्षण और प्रबंधन के पुनरुद्धार से पर्यटन का राज्य की अर्थव्यवस्था पर महत्वपूर्ण गुणक प्रभाव पड़ता है। यह अनुमान लगाया गया है कि पर्यटकों द्वारा खर्च किया गया प्रत्येक रुपया 13 गुना बदल जाता है और होटल का प्रत्येक कमरा 3 व्यक्तियों को प्रत्यक्ष रोजगार और 8 व्यक्तियों को अप्रत्यक्ष रोजगार उत्पन्न करता है।

राजस्थान में पर्यटन के प्रमुख प्रकार:

पारिस्थितिकी पर्यटन, ग्रामीण पर्यटन, साहसिक पर्यटन, कृषि-पर्यटन, मरुस्थलीय पर्यटन, नमक पर्यटन, गर्मी और मानसून-पर्यटन, सांस्कृतिक पर्यटन।

राजस्थान में पर्यटन की समस्याएँ :

पर्यटन के अनेक आकर्षणों के बावजूद राजस्थान में निम्नलिखित बाधाओं/समस्याओं के कारण पर्यटन का पूर्ण रूप से विकास नहीं हो पाया है:

1) **खराब बुनियादी ढांचा :**

बुनियादी ढांचे की कमी जो पर्यटन के विकास से संबंधित गंभीर समस्याओं की एक श्रृंखला की जड़ में है। राजस्थान में, अधिकांश बुनियादी ढांचा विकास औद्योगिक जिलों के आसपास केंद्रित है, जबकि पर्यटन स्थलों को इस संबंध में उपेक्षित किया गया है। राष्ट्रीय और राज्य राजमार्गों के अलावा अन्य लिंक सड़कों का रखरखाव बेहद खराब है। इंट्रा-सिटी एयर कनेक्टिविटी का अभाव एक बड़ी समस्या रही है। दिल्ली-आगरा-जयपुर आने वाले पर्यटकों को आकर्षित करने में कनेक्टिविटी एक बड़ी समस्या है। आदिवासी दूरदराज के इलाकों तक जानें की पहुंच इतनी खराब है कि वहाँ पर्यटक इन इलाकों में पहुंच सके। इसलिए वहाँ पर्यटन नहीं है,जिससें वहाँ का एक बड़ा हिस्सा आर्थिक लाभ व रोजगार से वचिंत रह जाता है।

2) **विभिन्न स्मारकों व सार्वजनिक क्षेत्रों में साफ-सफाई का अभाव :**

राजस्थान आने वाले पर्यटकों ने सड़कों के अलावा स्वच्छ शौचालय और अन्य मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध कराने की आवश्यकता पर बल दिया है। राज्य के अनेक पर्यटन स्थलों के क्षेत्रों पानी निकासी की समस्याँ से झूंझ रहे है,जिससे वहाँ आनें वाले पर्यटकों को काफी मुसकिलों का सामना करना पड़ता है। इसके अलावा यहाँ के लोगों के सामान्य स्वभाव के कारण ट्रेनों में भी पर्यटक को अत्यधिक गंदगी का सामना करना पड़ता है, क्योंकि जागरूकता की कमी के कारण लोग ट्रेनों में डस्टबीन होने के बावजूद भी खाली बोतल, प्लास्टीक पैपर व अन्य सामग्री को ट्रेन के फर्श पर ही फैला देते है, जो वहाँ की स्वच्छता को प्रभावित करता है जिसे देख अन्य व्यक्ति अपने आप को असहज महशूस करता है।

हाल के एक सर्वेक्षण में यह पाया गया है कि भारत में कई जल निकाय अब गंभीर रूप से प्रदूषित हैं, जिनमें राजस्थान की तीन सबसे प्रसिद्ध झीलें जलमहल, जयसमंद और उदयसागर सबसे गंभीर रूप से प्रदूषित जल निकायों की सूची में हैं।

3) **सुरक्षा संबंधी चिंताएं:**

राज्य सरकारों के पास वर्तमान में आने वाले पर्यटकों को सुरक्षा देने के लिए कोई कानूनी प्रावधान नहीं है। हर दिन राज्य के विभिन्न हिस्सों में विदेशी पर्यटकों के साथ दुर्व्यवहार, छेड़छाड़ और यौन उत्पीड़न तथा चारी की कई घटनाएं सामने आती रहती हैं। इस तरह की घटनाएं पर्यटकों के मन में असुरक्षा पैदा कर देती है।

4) **मार्केटिंग की कमी:**

पर्यटन स्थलों पर आक्रामक रूपरेखा और अन्य विपणन सुविधाओं का अभाव पाया जाता है। कोई लक्ष्य उन्मुख विपणन नहीं है एक योजनाबद्ध तरीके से पर्यटकों को बाधित किया जाता है।

5) **सार्वजनिक सुविधा का अभाव:**

स्मारकों के रूप में मूत्रालयों की कमी, परिवहन की समस्या आदि। सामान्यतः देखा जाता है कि चालकों द्वारा पर्यटकों से मनमाना किराया वसूल करते है,जिस हेतु सरकार की कोई स्पष्ट नीति नहीं बनी हुई है।

6) **धन की कमी:**

राज्य में पर्यटन के विकास हेतु बहुत कम बजट राज्य सरकार द्वारा खर्च किया जाता है जिससे दुर्लभ जानवरों के अभयारण्यों धार्मिक तीर्थ स्थलों व स्मारकों की एक लम्बी सूची राज्य के पर्यटकों व पर्यटन से अच्छूती पड़ी है।

7) पर्यटन स्थलों पर पंजीकृत गाइड की अनुपलब्धता एक और समस्या है।

8) पर्यटकों के साथ संवाद स्थापित करने में भाषा भी एक समस्या है।

पर्यटन विकास हेतु राजस्थान के लिए सरकार की नीतियां / परियोजनाऐं :

1. विभाग द्वारा विभिन्न योजनाओं के माध्यम से पर्यटक स्थलों का विकास एवं संरक्षण, ग्रामीण पर्यटक स्थलों का विकास पर्यटन को बढ़ावा देने हेतु प्रचार-प्रसार मेले-त्योहारों का

आयोजन राजस्थान मेला, प्राधिकरण को सहायता, पर्यटक सहायता बल, फूड क्राफ्ट इन्स्टीट्यूट को सहायता तथा महत्वपूर्ण स्मारकों पर रोशनी के कार्य करवाये जाते हैं। वर्ष 2019-20 में इन योजनाओं हेतु कुल ₹ 114.45 करोड़ का बजट, आवंटन किया गया था, जिसके विरूद्ध ₹ 47.41 करोड़ व्यय किये गये। वर्ष 2020-21 में इन योजनाओं हेतु कुल ₹120.76 करोड़ का प्रावधान रखा गया, जिसके विरुद्ध माह दिसम्बर, 2020 तक ₹ 34.44 करोड़ व्यय किये गये।

2. मेलों और त्योहारों का आयोजन: राज्य सरकार ने पीपीपी मॉडल के माध्यम से हमारे विश्व प्रसिद्ध त्योहारों को फिर से जीवंत किया। इनमें पुष्कर मेला, डेजर्ट फेस्टिवल और कुंभलगढ़ फेस्टिवल जैसे नए इवेंट जैसे भक्ति म्यूजिक फेस्टिवल, कोक स्टूडियो, इंटरनेशनल फोटो फेस्ट और इंटरनेशनल म्यूजिक फेस्टिवल को भी वार्षिक कैलेंडर में जोड़ा गया है।
3. नए सर्किटों का विकास: सरकार बर्डिंग के लिए विशेष सर्किट शुरू करने की योजना बना रही है। हस्तशिल्प और आध्यात्मिक। आगामी परियोजनाओं में से कुछ मेगा डेजर्ट सर्किट (जैसलमेर जोधपुर बीकानेर सांभर-पाल माउंट आबू) और मेवाड़ कॉम्प्लेक्स (हल्दीघाटी गोगुंदा-दीवेर-और छपली) हैं जो पर्यटन को बढ़ाने में मदद करते हैं। इसके अलावा प्रसिद्ध लम्हों की नाइट टूरिज्म लाइटिंग एजेंडे में उच्च है। विश्व प्रसिद्ध आमेर किले में अभी कुछ समय से रात्रि पर्यटन भी शुरू कर दिया गया है, जो पर्यटकों में एक नविनत्तम रोंमाच उत्पन्न करता है।
4. एक मोबाइल ऐप लॉन्च करना: राजस्थान सरकार ने हाल ही में एक मोबाइल ऐप "लेज़्गो" लॉन्च किया है जो अजमेर और पुष्कर में आकर्षण के बारे में नवीनतम जानकारी प्रदान करता है जिसमें चित्रों, ऑडियो और वीडियो स्ट्रीम और सांस्कृतिक कहानियों सहित समृद्ध सामग्री शामिल है। ऐप पर्यटन की जरूरतों के लिए व्यापक और वन स्टॉप सॉल्यूशन है। यह ऐप 12 प्रमुख भाषाओं में इनपुट प्रदान करता है।
5. इंटर स्टेट एयर सर्विस: जयपुर से उदयपुर के लिए अंतरराष्ट्रीय हवाई सेवा की पहली उड़ान वाया जोधपुर को लॉन्च किया था, जिससे राज्य में पर्यटन को एक बड़ा बढ़ावा मिलने की उम्मीद है।
6. स्ट्रैंडेड इन इंडिया: कोरोना संकट के चलते लॉकडाउन की वजह से भारत में फंसे विदेशी पर्यटकों की मदद के लिए 31 मार्च,2020 को पर्यटन मंत्रालय द्वारा शुरु किया गया पोर्टल।
7. विवेकानन्द संग्रहालय : झुंझुनूँ में अजीत विवेक राष्ट्रीय संग्रहालय का लोर्कापण 31 मार्च, 2019 को किया गया।
8. प्रमोटिंग इन्टेन्जेबल कल्चरल हेरिटेज ऑफ राजस्थान : इसके तहत 5 सितम्बर, 2019 को राज्य सरकार व यूनेस्को के मध्य एम ओ यू था जिसका प्रमुख उद्देश्य राज्य में पश्चिमी राजस्थान के जोधपुर, बाड़मेर, जैसलमेर एवं बीकानेर में 10 नए सांस्कृतिक पर्यटन स्थल विकसित करना है। इससे इन जिलों के 1500 कलाकार प्रत्यक्ष रूप से

लाभान्वित होंगे। प्रोजेक्ट की लागत 7.50 करोड़ है।

9. लक्ष्मणगढ़(सीकर) में इकॉलोजी पार्क का विकास किया जाएगा।
10. वर्तमान में आध्यात्मिक सर्किट, हेरिटेज सर्किट, कृष्णा सर्किट का निर्माण किया जा रहा है।
11. पर्यटक स्वागत केन्द्र एवं पर्यटक सूचना केन्द्र मुख्यतः संबद्ध क्षेत्रों व पर्यटक स्थलों के पर्यटन संवर्धन के लिये कार्य करते हैं। इन केन्द्रों के माध्यम से पर्यटकों को पर्यटन सूचना निःशुल्क साहित्य, सहयोग एवं सुरक्षा प्रदान की जाती है। इसके अतिरिक्त विकास कार्यों / परियोजनाओं की योजनाएं बनाने में आवश्यक स्थानीय समन्वय एवं पर्यवेक्षण कार्य किया जाता है।

निष्कर्ष :

राजस्थान में पर्यटन उद्योग एक महत्वपूर्ण सांस है और एक शीर्ष उद्योग के रूप में माना जाता है जो अर्थव्यवस्थाओं को विदेशी मुद्रा आय, क्षेत्रीय विकास, बुनियादी ढांचे के विकास और स्थानीय हस्तशिल्प को बढ़ावा देने जैसे लाभ देता है। राज्य सरकार ने पहले ही राज्य में आर्थिक विकास के लिए इस उद्योग की क्षमता का एहसास कर लिया है और देश ने ई-पर्यटक वीजा योजना जैसे महत्वपूर्ण उपायों को अपनाया है, पर्यटकों के लिए 24X7 हेल्पलाइन ने पुष्कर के अजमेर के लिए एक मोबाइल ऐप लॉन्च किया है जो पर्यटकों के आकर्षण के बारे में नवीनतम जानकारी प्रदान करता है। शहर, राजस्थान सरकार ने नई पर्यटन इकाई नीति की घोषणा की जो हमें बुनियादी ढांचे और नई होटल परियोजनाओं के निर्माण में मदद करती है। एक मोबाइल ऐप स्वच्छ यात्रा जो स्मारकों की सफाई में मदद करती है। सर्किट स्वदेश दर्शन और प्रसाद योजना देश के 13 शहरों में शुरू की गई है। राजस्थान के अजमेर पुष्कर और डेजर्ट सर्किट को इस योजना में शामिल किया गया है। ये सभी योजनाएं राज्य में पर्यटकों को बढ़ाने में मदद करती हैं। राजस्थान में उद्योग ने तीव्र गति से विकास किया है लेकिन निरंतर विकास प्राप्त करने के लिए पर्यटकों की सुरक्षा, जनता की सुविधा, साफ-सफाई, रजिस्टर्ड गाइड, इन्फ्रास्ट्रक्चर आदि के लिए बहुत कुछ करने की आवश्यकता है। क्योंकि राज्य में विचारों की भरमार है। इसे अंतरराष्ट्रीय पर्यटन स्थल बनाने के लिए हमारे पास ढेर सारे अवसर है ।

References :

1. Rathore, G.S., 2000-2001 : Religious Stores as Tourism Attraction in Rajasthan : A Geographic Analysis, Annals of the RGA, Vol. XVII-XVIII, pp. 83-88.
2. Ravi, Vinay Kumar, Pawar RS. Tourism and its Development a Geographical Analysis Sonali Publications. New Delhi, 2006
3. Ganesh Aurobnindio, Dr. Madhavi C. Impact of Tourism on Indian economy; A snapshot Journal of contemporary Research in Management, 2007. 1.
4. Dr. Dharmwani. Laveena T. Tourism in Rajasthan; Challenges and opportunities, Indian Journal of Applied Research. 2013, 3.
5. Kakkar Leena, Sapna Impact of tourism on Indian economy International Journal of Marketing, Financial Research and Management, 2012, 4.
6. Sharma Ashok. Tourism Development RBSA Publications. Jaipur. 2008.
7. Shingh Vinod K. Historical and cultural tourism in India Book enclave publishers, Jaipur. 2008.

8. Sharma KK. New Dimensions in Tourism and Hotel Industry, Sarup & Sons, New Delhi. 1998,
9. Chalwla, Roneila Imparts of Tourism Sonali publications, New Delhi, 2006.
10 Chawla Ronila, Tourism Research Planning and Development. Sonali Publications. New Delhi, 2003
11. World Travel and Tourism Council India 2014
12. Department of Tourism websites
13. Rajasthan Development Report
14. Dr. Sharma Anukrati A SWOT ANALYSIS OF RAJASTHAN TOURISM SPECTRUM; A Journal of Multidisciplinary Research, 2013, 21

Aayushi International Interdisciplinary Research Journal
ISSN 2349-638X
www aiirjournal.com